जीवन के बारे में परमेश्वर जैसा नज़रिया रखिए (भाग 1)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 13 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

जीवन के बारे में आपका जो नज़रिया है, क्या उससे परमेश्वर को फर्क पड़ता है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्या कहें?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

जीवन परमेश्वर से मिला तोहफा है।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 13 के पैराग्राफ 1-2 देखें।)

प्रकाशितवाक्य 4:11 पढ़िए।

इस आयत के मुताबिक क्यों यहोवा परमेश्वर आदर पाने के योग्य है?

प्रेषितों 14:16, 17 पढ़िए।

यहोवा ने जो जीवन दिया है उसे कायम रखने के लिए वह क्या करता है?

लोग जिन चीज़ों को अनमोल समझते हैं उनकी अच्छी देखरेख करते हैं। उसी तरह, हमें भी ज़िंदगी के तोहफे की कदर करनी चाहिए

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

अगर हम जीवन का आदर करते हैं, तो यह हमारे कामों से दिखना चाहिए।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 13 के पैराग्राफ 3-9 देखें।)

निर्गमन 21:22, 23; व्यवस्थाविवरण 5:17 और भजन 127:3 पढ़िए।

इन आयतों से कैसे पता चलता है कि गर्भपात और खून करने के बारे में परमेश्वर का क्या नज़रिया है?

रोमियों 12:1 और 2 कुरिंथियों 7:1 पढ़िए।

हम कैसे दिखा सकते हैं कि हम अपने जीवन का आदर करते हैं?

आपको ज़िंदगी का जो तोहफा मिला है, आप उसकी कदर क्यों करते हैं?

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

मैं अपने शरीर के साथ जो चाहे करूँ, मैं दूसरों को तो कोई नुकसान नहीं पहुँचा रहा!

आप उससे कह सकते हैं . . .

कई लोग इस बात से सहमत होंगे। लेकिन मेरे लिए यह मायने रखता है कि इस बारे में परमेश्वर क्या सोचता है क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

अगर एक औरत गर्भपात कराना चाहती है तो यह उसका फैसला है, वह अपने शरीर के साथ जो चाहे करे।

आप उससे कह सकते हैं . . .

माना कि हम सबके पास यह हक है कि हम अपने फैसले खुद लें। लेकिन मैं मानता हूँ कि गर्भपात कराना गलत है क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania